>

Title: Need to conduct recruitment for Army at Army headquarter or at remote places.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): सभापति जी, आपने मुझे बहुत ही लोक महत्व के विषय पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। शुक्रवार 18 मई, 2012 को राजस्थान की राजधानी जयपुर जिले के गोविंदगढ़ कस्बे में 30 पदों के लिए प्रादेशिक सेना की भर्ती थी जिसमें गोवा, दमन, दीव, नागर-हवेली, केरल, तमिलनाडु सहित राजस्थान के 16 जिलों से अभ्यर्थियों ने भाग लिया। 30 पदों की भर्ती के लिए 12 हजार अभ्यर्थी कस्बे में पहुंचे जिनमें से 497 अभ्यर्थी सफल रहे। असफल अभ्यर्थियों ने कस्बे में जमकर उत्पात मचाया। वाहनों को रोका, पत्थर फेंके जिनसे वाहनों के शीशे टूट गए। रेल रोकी गई, रेल के इंजन को जलाने का प्रयास किया गया, पटरियां उखाड़ दी गई जिससे हजारों यात्रियों को टिकट रद्द करवाने पड़े। पुलिस की एक बस को जलाया गया। दो अन्य वाहनों को भी जला दिया गया। हाईवे पर जाम लगा दिया गया। आसपास के खेतों में घुसकर फसलों का नुकसान किया। महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं हुई। दुकानदारों के साथ मारपीट हुई जिससे कस्बे में एक तरह से अघोषित कर्फ्यू लग गया। लोग अपने घरों में दुबके रहने पर मजबूर हो गए और प्रशासन लाठी चार्ज, आंसू गैस आदि प्रयोग करने के बाद बेबस नजर आया। अंत में सेना ने कमान संभाली। हर बार सेना की भर्तियों के दौरान ऐसी घटनाएं होती हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि बेरोजगारी बहुत बढ़ गई है जिसके चलते 30 पदों के लिए 12 हजार लोग पहुंचे। मैं कहना चाहता हूं कि सेना की भर्ती कस्बों में नहीं करवाने की मांग जन-प्रतिनिधि करते रहते हैं। मेरी गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय से मांग है कि सेना की भर्ती का काम या तो सेना मुख्यालयों पर करवाया जाए या शहर, कस्बों से दूर इसका आयोजन किया जाए जिससे पुलिस प्रशासन की पूरी व्यवस्था हो और सेना को इसके लिए बजट मिले ताकि राज्य सरकारों को विशेष निर्देश जारी हो और ऐसी भगदड़ से बचा जाए।